छोटा स्पंज मछुआरा

फ्लोरेंस वाइटमैन रोलैंड

चित्र: मोमोरू फुनाई

निकासियो के पिता मिंडानाओ, फिलीपीन द्वीप समूह में सबसे अच्छे स्पंज मछुआरो में से एक थे. लेकिन वे कई दिनों से बीमार थे, और अगर निकासियो कुछ नहीं करता, तो उसका परिवार और सेलेब्स सागर पर उसका छोटा झोपड़ीनुमा घर बहुत बड़ी मुसीबत में पड़ जाता.

निकासियो ने अपने परिवार की समस्याओं को हल करने का एक तरीका सोचा. जब उसने वो योजना मारिया, अपनी जुड़वां बहन को बताई, तो उसे संदेह हुआ कि क्या दस साल का लड़का ऐसा कर पाएगा. लेकिन वह निकासियो की मदद करने के लिए तैयार हो गई. साथ मिलकर उन्होंने कई वास्तविक और रोमांचक कठिनाइयों को पार किया. और निकासियो ने साबित कर दिया कि वह अपने पिता की तरह ही एक कुशल स्पंज मछुआरा था.

छोटा स्पंज मछुआरा

फ्लोरेंस वाइटमैन रोलैंड

चित्र: मोमोरू फुनाई

निकासियो के बिस्तर पर लेटने के कुछ समय बाद ही बारिश शुरू हो गई. कुछ बारिश की बूंदों ने छत में एक बड़ा छेद पाया, जो ठीक उसके सिर के ऊपर था. टप! टप! टप! बारिश की बूंदें उसके चेहरे पर गिरीं. उससे निकासियो जल्दी से जाग गया!

उसने ऊपर छत में छेद देखा. बारिश की और बूंदें उस पर गिरने वाली थीं. निकासियो अपनी चटाई के बिस्तर से उछला. वो फिर से भीगना नहीं चाहता था, इसलिए उसने चटाई को दूर खींच लिया.

जब निकासियो वापस अपने बिस्तर पर लौटा, तो उसे नींद नहीं आ रही थी. वह जानता था कि उसे छत के छेद के बारे में कुछ करना होगा.

सुबह निकासियो ने छत को ठीक करने की कोशिश की. सबसे पहले, उसे छेद पर रखने के लिए ताड़ के पत्ते खोजने थे. फिर वह छत की मरम्मत वैसे ही करता जैसे उसके पिता हमेशा करते थे. पिता को पता था कि ताड़ के पत्तों को कैसे रखना होता था. लेकिन अब पिताजी कोई काम नहीं कर सकते थे. पिछले तीन दिन और तीन रातों से वह बिस्तर पर पड़े थे. उनकी आँखें बंद थीं, उनका चेहरा गर्म था, और वह हिल-डुल भी नहीं रहे थे.

हर बार जब माँ उनके लिए चावल लेकर आती, तो पिता अच्छे खाने को दूर धकेल देते. फिर मां रोती और पूछती, "बिना चावल के भला तुम कैसे ठीक होगे?"
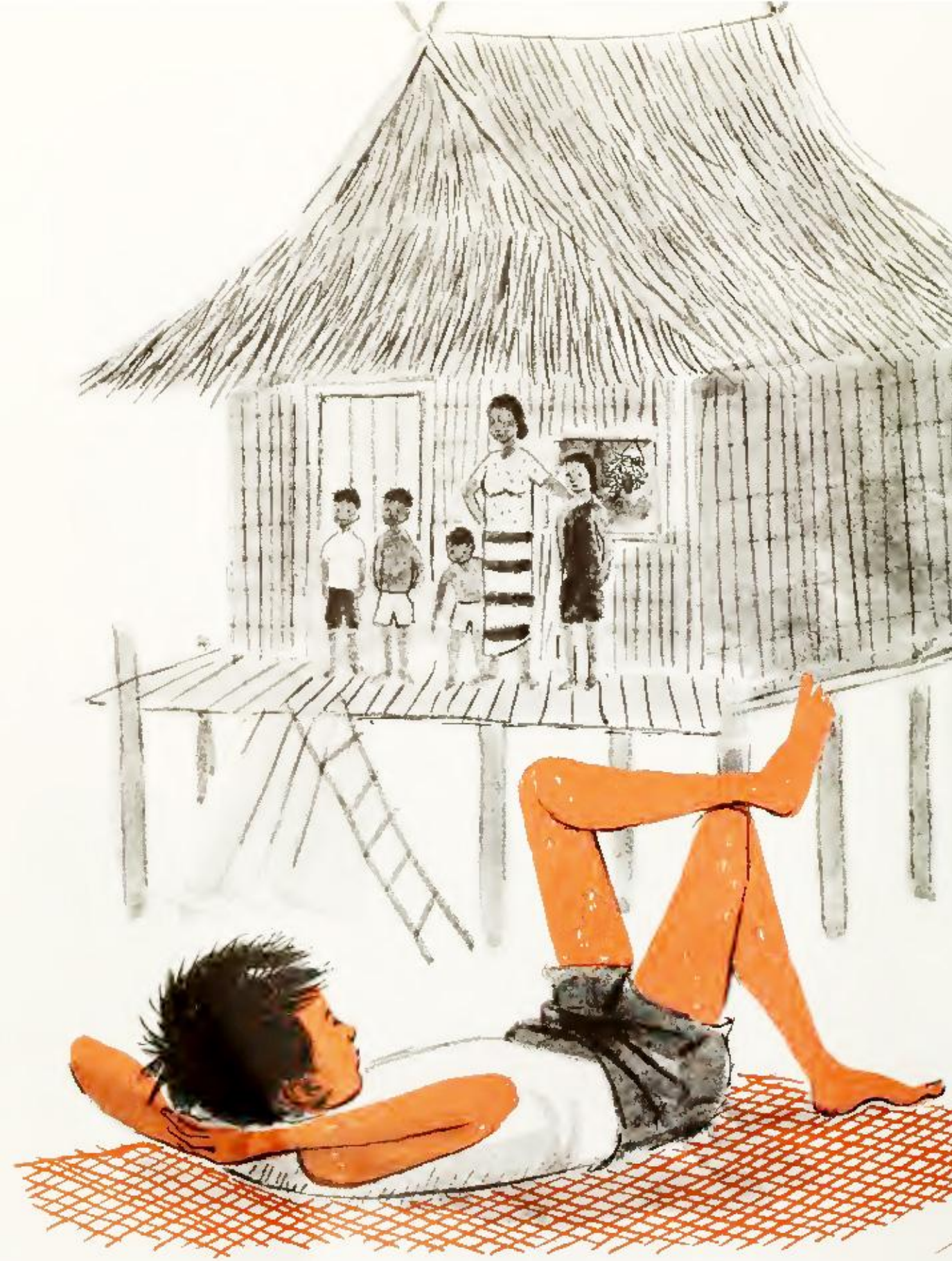
निकासियो ने अपने पिता को पहले कभी इस तरह बिस्तर पर पड़े नहीं देखा था. हर सुबह, वह अपनी नाव में स्पंज पकड़ने के लिए जाते थे. अगर वह जल्दी नहीं जाते, तो उनके पास शहर में बेचने के लिए स्पंज नहीं होते. अगर स्पंज नहीं बेंचते, तो फिर पैसे नहीं होते. फिर परिवार चावल कैसे खरीद पाता? फिर वे सभी भूखे रहते - निकासियो के तीन भाई, उसकी जुड़वां बहन मारिया, उसके पिता और माँ, और वह खुद.
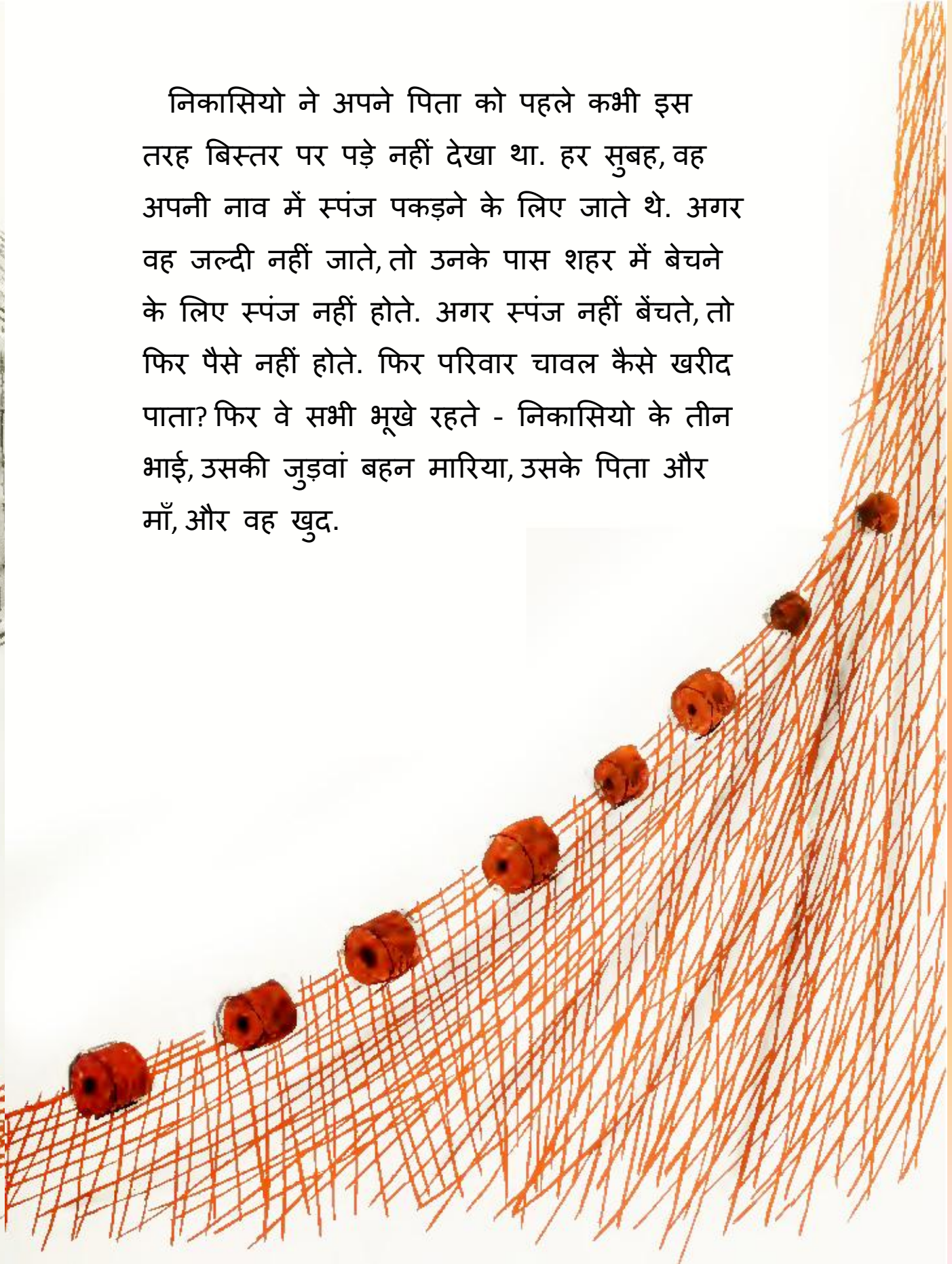
निकासियो चाहता था कि उसके कुशल और ताकतवर पिता जल्दी ठीक हो जाएँ. उनके बाल काले थे और आँखें काली थीं, बिल्कुल निकासियो की तरह, और उनके चेहरे पर एक बड़ी मुस्कान भी थी. निकासियो उनसे बहुत प्यार करता था. निकासियो अपने पिता की तरह ही कुशल और ताकतवर बनना चाहता था. फिर वह उनके लम्बे डंडे को लेकर स्पंज पकड़ सकता था. उस डंडे के नीचे तीन हुक थे. मछुआरा अपने डंडे को पानी में तब तक हिलाता जब तक कि वह कुछ स्पंज से नहीं टकराता. फिर मछुआरा ज़ोर से धक्का देता. फिर एक बार जब स्पंज हुक में फंस जाते, तो वो उन्हें समुद्र के तल से ऊपर खींच लेता था.

ऐसा करने के लिए एक मछुआरे को बहुत ताकतवर होना पड़ता था.

जिन दिनों स्कूल नहीं होता था, निकासियो अपने पिता के साथ स्पंज पकड़ने जाता था. दस में से नौ बार उनका जाल ऊपर तक स्पंज से भरा होता था. सेलेब्स सागर पर स्थित उनके शहर में कोई भी मछुआरा निकासियो के पिता जितना कुशल नहीं था. निकासियो को लगता था कि उसके पिता मिंडानाओ, जो फिलीपीन के एक द्वीप से आए थे, सबसे अच्छे मछुआरे थे.

आखिरकार निकासियो को नींद आ गई. जब उसने फिर से अपनी आँखें खोलीं, तो सुबह हो चुकी थी. सूरज उग चुका था. उसे खुश होना चाहिए था, लेकिन वह उदास था. क्योंकि उसके पिताजी अभी भी अपनी चटाई पर लेटे हुए थे.

नाश्ते के बाद, उसके भाई और उसकी जुड़वां बहन मारिया ने निकासियो की ताड़ के पत्ते खोजने में मदद की. निकासियो ने उन्हें छेद के ऊपर संभाल कर रख दिया. जब उसने छत की मरम्मत पूरी कर ली, तो वह लंबी सीढ़ी से नीचे उतरकर जमीन पर आया.

सेलेब्स सागर के पास हर घर ऊँचे खंभों पर खड़ा था. चूँकि घर बहुत ऊँचे थे, इसलिए जब समुद्र में बाढ़ आती तो भी घर के अंदर लोग सुरक्षित रह सकते थे. एक बार पानी खंभों के ऊपर तक आ गया था और दरवाज़ों से आकर टकराया था.

निकासियो के भाई पानी के पास खेलने के लिए भाग गए थे. निकासियो खुश था क्योंकि वह मारिया से अकेले में बात करना चाहता था.

वह घर के नीचे एक खंभे की बगल में उनकी नाव में बैठी थी. उसका चेहरा बिल्कुल भी खुश नहीं था. निकासियो नाव में चढ़ गया और अपनी बहन के पास जाकर बैठ गया.

मारिया ने एक उदास, छोटी सी मुस्कान के साथ कहा. "चावल खत्म होने वाला है," उसने कहा. "हमें क्या करना चाहिए? कल रात माँ फिर से रोई थी."

"मुझे पता है! मुझे पता है! शायद हम माँ को खुश करने के लिए कुछ कर सकें."

निकासियो की ओर देखते हुए, मारिया ने पूछा, "लेकिन हम क्या कर सकते हैं?"
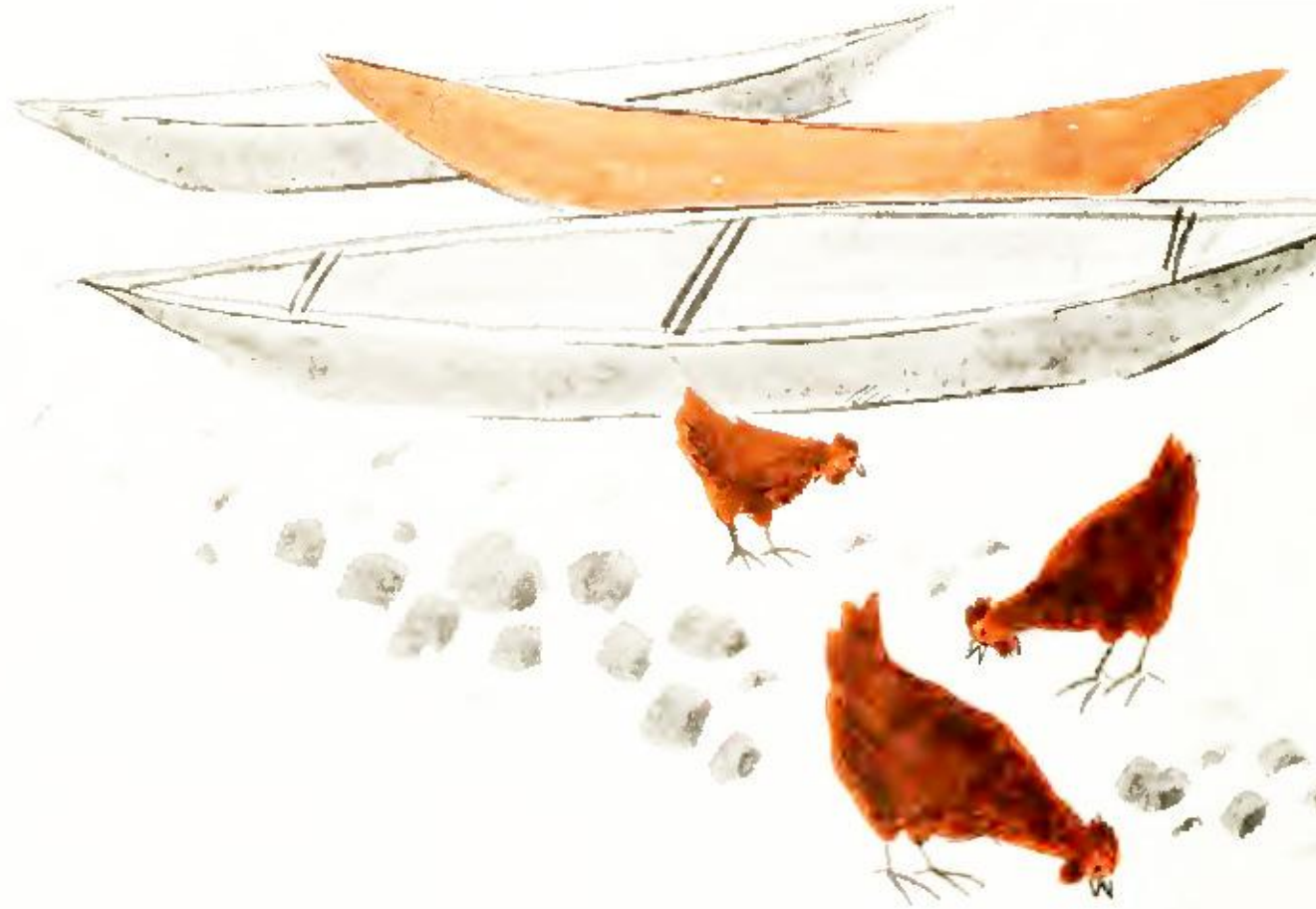
"मैं डंडा लेकर स्पंज पकड़ने जाऊँगा."

"तुम? क्यों, तुम अभी सिर्फ़ दस साल के हो. उस लंबे डंडे को थामे रखने के लिए ताकतवर आदमी की ज़रूरत होती है."

"लेकिन मैं कोशिश करना चाहता हूँ, मारिया. क्या तुम उसमें मेरी मदद करोगी?"

"अगर मैं कर सकी तो मुझे बहुत ख़ुशी होगी, निकासियो," मारिया ने कहा.
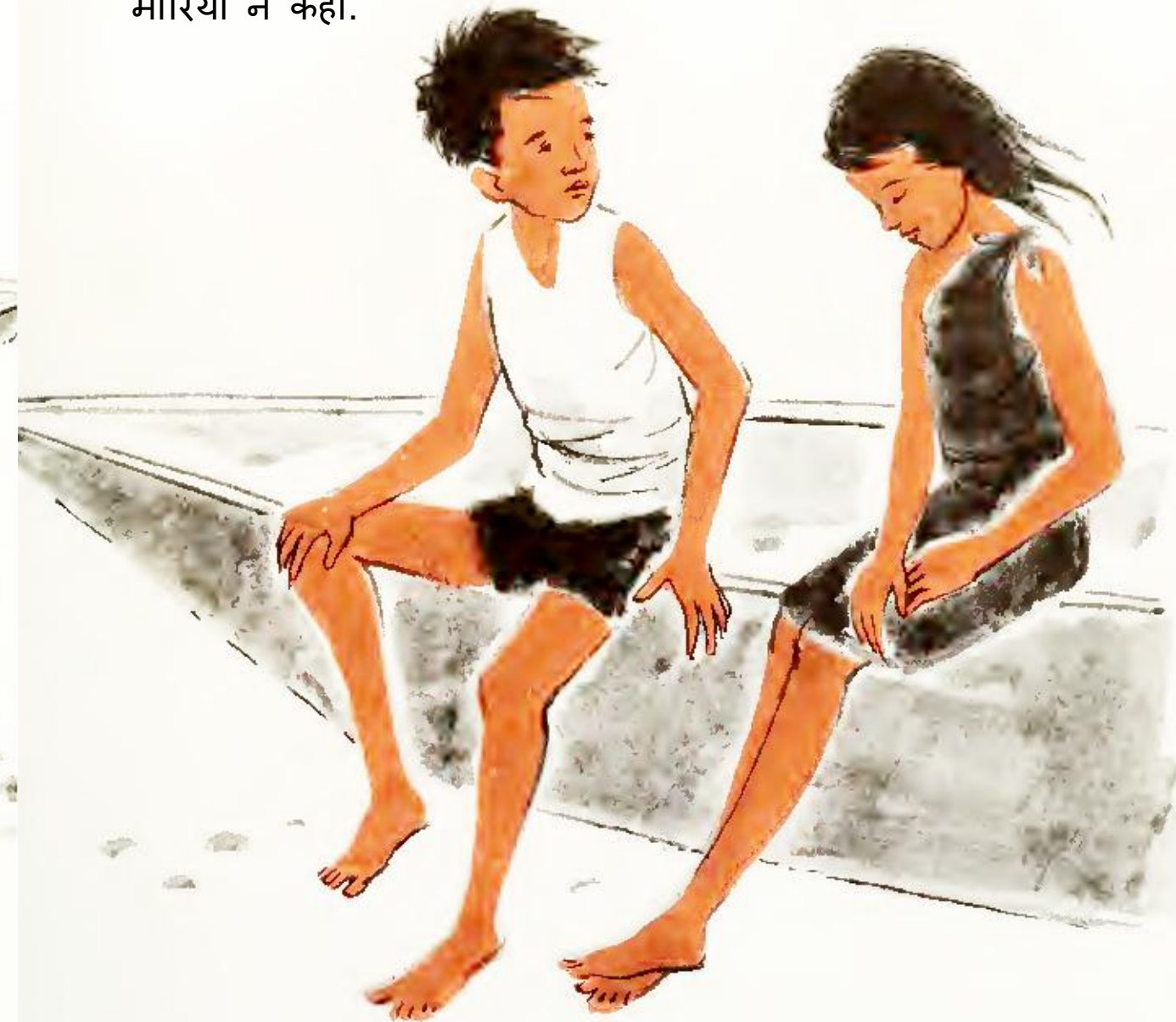
उसके कुछ समय बाद उनकी नाव पानी में थी, उन बड़ी चट्टानों के पास जहाँ पिताजी को स्पंज पकड़ना पसंद था. वहाँ दूसरी नावें भी थीं. सभी आदमी स्पंज पकड़ने में व्यस्त थे.

जब निकासियो ने लंबा डंडा उठाया, तो मछुआरों में से एक उसे देखकर हँसा.
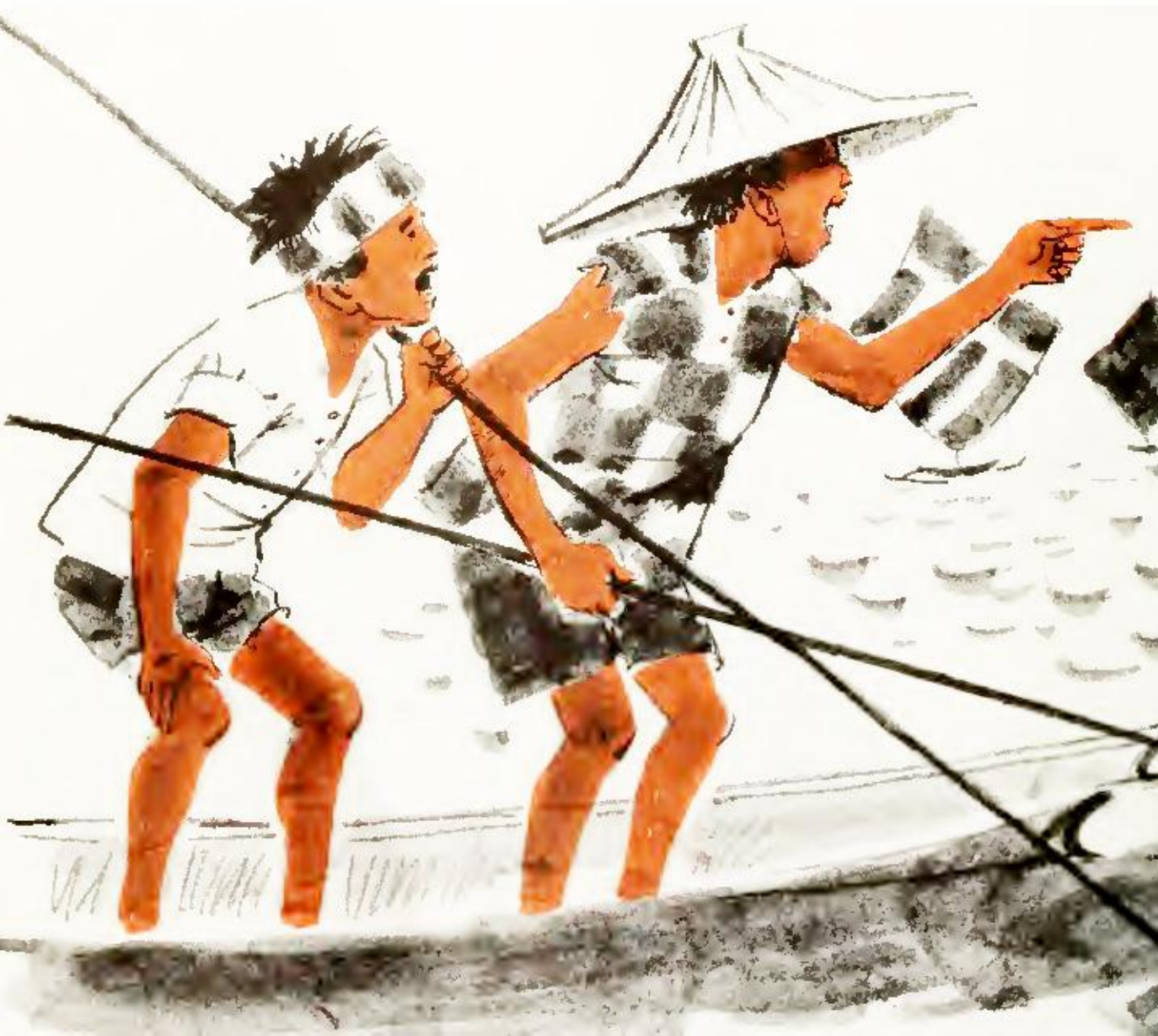
उसने आवाज़ लगाई, "देखो वो लड़का सोचता है कि वह स्पंज को पकड़ने के लिए काफी बड़ा है. मुझे लगता है कि उसे स्पंज और पत्थर के बीच अंतर तक नहीं पता होगा."

वह हँसा और हँसा. दूसरे मछुआरे भी हँसे. निकासियो ने उनकी तरफ़ नहीं देखा. वह अपने काम में लगा रहा. उसने उन आदमियों को एकदम अनदेखा किया.
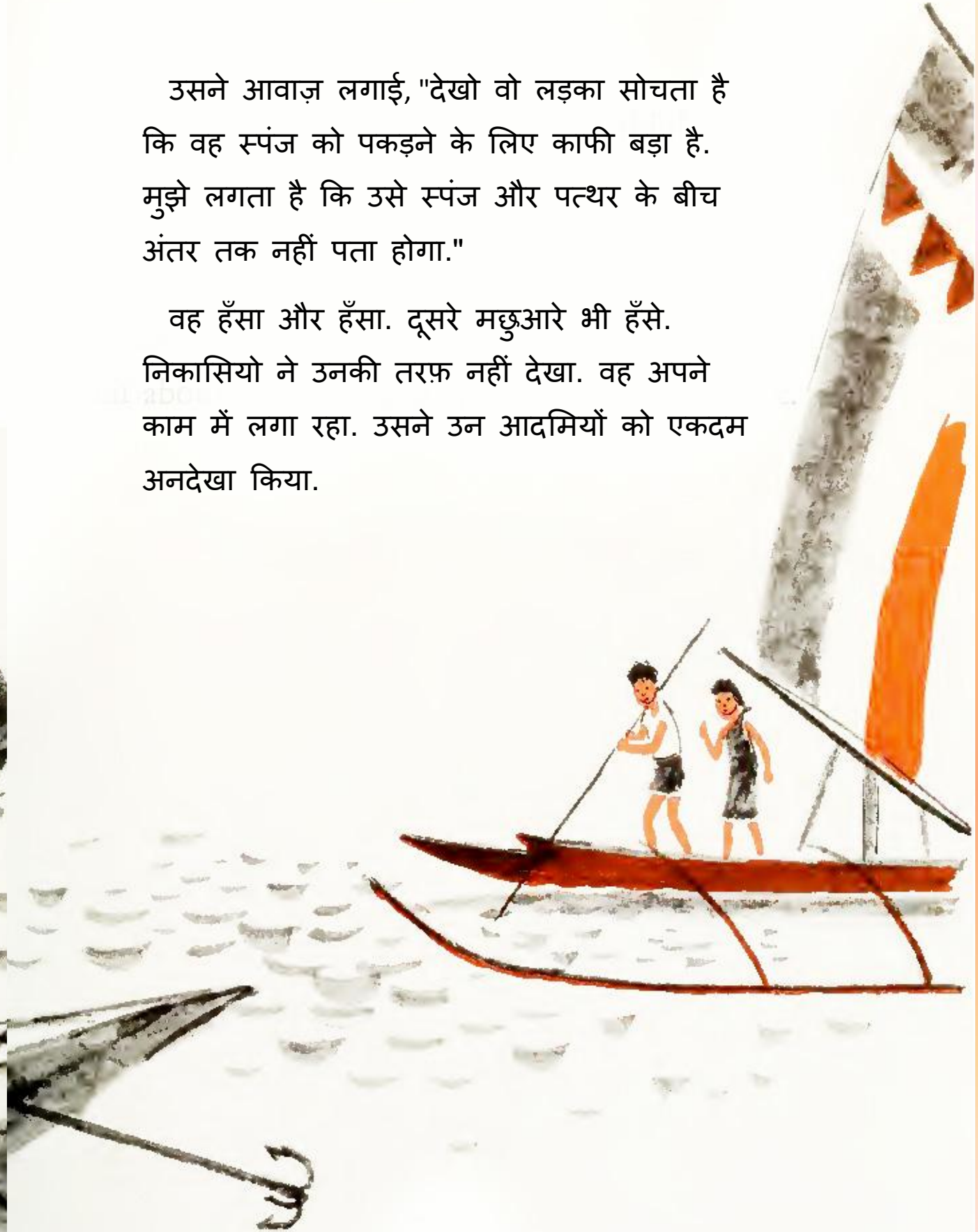
मारिया ने पानी में नीचे देखा और मुस्कुराई, "मुझे कुछ स्पंज दिखाई दे रहे हैं, निकासियो।" वह खुश लग रही थी, "नीचे की तरफ़ वे बड़ी, काली चीज़ें."

"हाँ, मुझे भी वे दिखाई दे रहे हैं," निकासियो ने डंडा पकड़ा और उसे पानी में डाल दिया. डंडा नीचे, और नीचे चला गया - पूरी तरह से नीचे. उसने डंडे को समुद्र की तलहटी में घुमाया, ठीक वैसे ही जैसे उसके पिता करते थे. फिर उसने स्पंजों पर हुक को दबाया ताकि वे मज़बूती से पकड़ में आ जाएं.

"वहाँ," निकासियो ने कहा. "मैंने उन्हें पकड़ लिया है."

निकासियो सही कह रहा था. डंडे के नीचे लगे हुक स्पंजों को पकड़ रहे थे. लेकिन तभी लंबा डंडा उससे दूर जाने लगा. निकासियो ने उसे तेज़ी से वापस खींचा - बहुत तेज़ी से. तभी नाव उसके नीचे से खिसक गई.
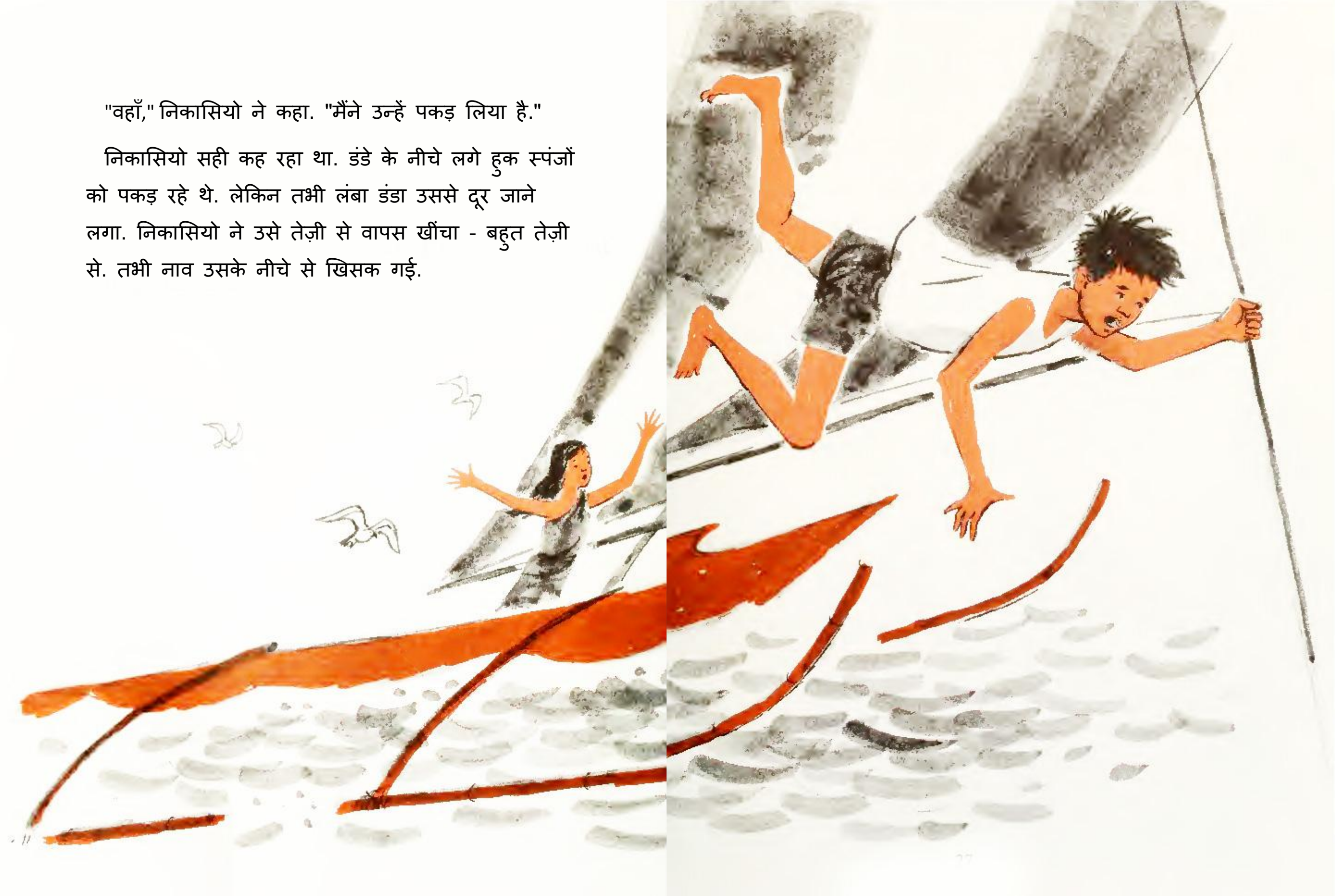
छपाक! निकासियो सेलेब्स सागर में गिर गया.

जैसे ही वह ठंडे पानी में गिरा, उसने डंडा छोड़ दिया. डंडा नीचे, नीचे चला गया. उसने डंडे को नीचे गिरने से पहले पकड़ने की कोशिश की. लेकिन जल्द ही निकासियो को और सांस लेने के लिए ऊपर जाना पड़ा.

जब उसका सिर पानी से बाहर निकला, तो मारिया ने पूछा, "डंडा? डंडा कहाँ है?"

"नीचे," निकासियो ने नाव में चढ़ते हुए कहा. "मुझे थोड़ी सांस लेनी थी. जल्द ही मैं फिर से कोशिश करूँगा."

बिना एक और शब्द कहे, वह बैठ गया. निकासियो थका हुआ और दुखी था. उस सुबह, उसने सोचा था कि वह एक आदमी का काम कर पाएगा. वे मछुआरे सही थे; जो उस पर सुबह हंस रहे थे! वे पहले ही जानते थे कि एक छोटा लड़का स्पंज को पकड़ने के लिए पर्याप्त ताकतवर नहीं था.

लेकिन निकासियो हार मानने वाला नहीं था. वह मछुआरों को दिखाएगा कि वह स्पंज को पकड़ सकता था. मारिया चुपचाप बैठी रही और अपने भाई को देखती रही. अचानक निकासियो खड़ा हो गया. वह दुबारा पानी में कूदा - नीचे, नीचे, नीचे. वह तैरता रहा. उसने अपनी पूरी कोशिश की, लेकिन वह डंडा पकड़ नहीं पाया.
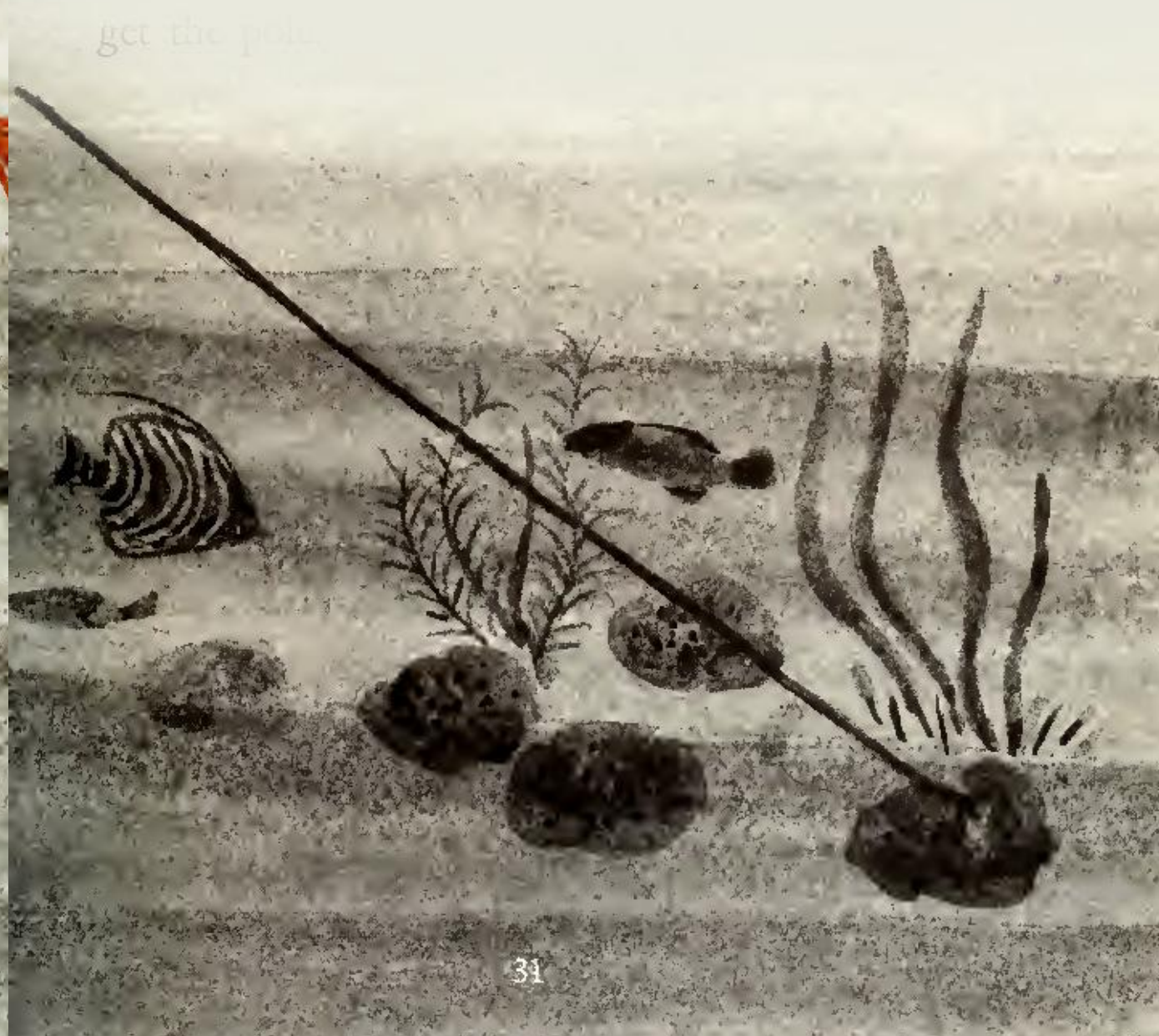
जब निकासियो एक बार फिर नाव में चढ़ा, तो उसने कहा, "काश मैं मोटा होता, काश मैं अंकल बर्टो की तरह मोटा होता. तब मैं जल्दी से पानी के तल तक पहुंच जाता और अपना डंडा ऊपर लेकर आता."

मारिया ने बड़ी मुस्कान के साथ कहा. "क्यों न अंकल बर्टो के द्वीप पर जिस तरह से स्पंज पकड़ते हैं, तुम भी वैसे ही स्पंज पकड़ो? उन्होंने हमें कई बार बताया था कि वे पत्थर को पकड़कर कूदते हैं. तुम भी वही कर सकते हो, निकासियो. फिर तुम एक मोटे आदमी की तरह तेजी से नीचे डूबोगे."

"मैं कोशिश करूँगा" निकासियो ने कहा, और मुस्कुराया. शायद उसे और मारिया को आखिरकार स्पंज मिल ही जाएँ.

फिर वे वापस अपने घर के पास एक बड़ी चट्टान खोजने गए. मारिया ने सबसे पहले एक बड़ा पत्थर देखा, और निकासियो ने उसे उठाकर अपनी नाव में रखा.

जब निकासियो नाव को वापस ले जा रहा था, मारिया ने एक लंबी रस्सी का एक सिरा लिया और उसे पत्थर के चारों ओर बाँध दिया. फिर उसने उसमें एक मजबूत गाँठ बाँधी. जब उसने ऊपर देखा, तो वे उस स्थान पर पहुँच चुके थे जहाँ निकासियो ने डंडा खोया था.

मारिया ने कहा, "डंडा पाने के बाद, निकासियो, पत्थर को समुद्र के तल पर ही छोड़ देना. फिर तुम उसे पानी से बाहर निकालने में मेरी मदद कर सकते हो."

एक हाथ में पत्थर को पकड़े हुए, निकासियो समुद्र में कूद गया. वह इस बात से हैरान था कि इस बार वह कितनी तेज़ी से नीचे गिरा. उसने अपने खाली हाथ से डंडे को पकड़ा और चट्टान को नीचे गिरा दिया. फिर उसने अपने पैरों से चट्टान को जोर से धक्का दिया और नाव तक तैर गया.

मारिया ने अपने भाई से डंडा लिया, और वह नाव में चढ़ गया. उन दोनों ने रस्सी पकड़ ली, और फिर कुछ ही देर में उन्होंने चट्टान भी नाव में खींच ली.

"पिता का चाकू और वह जाल मुझे दे दो," निकासियो ने चट्टान उठाते हुए कहा. मैं जाल के साथ नीचे जाऊँगा. मैं तब तक स्पंज काटता रहूँगा जब तक मुझे सांस लेने के लिए ऊपर नहीं आना पड़ता." और फिर वो नीचे चला गया.
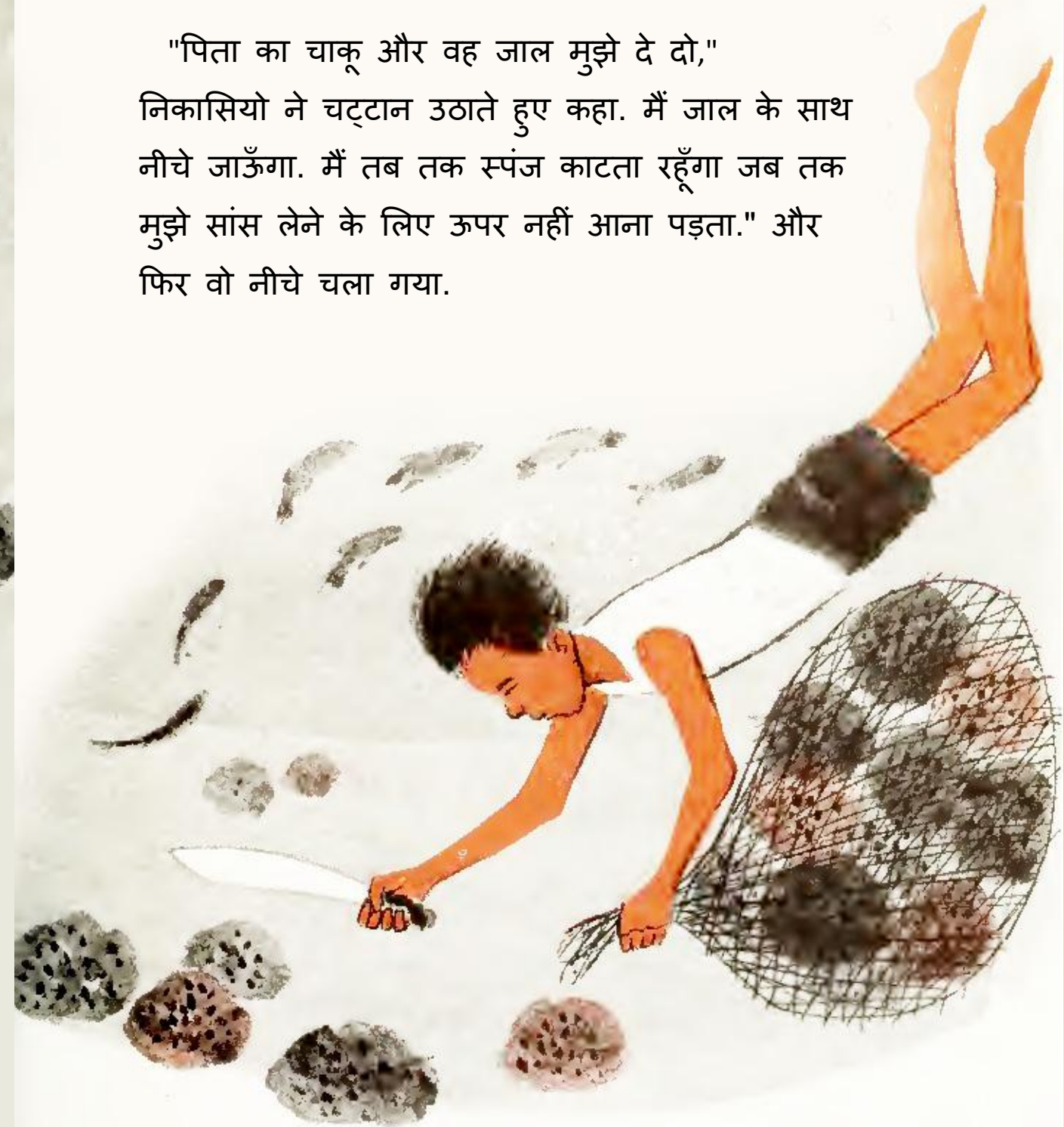
निकासियो ने स्पंज काटने के बाद, उन्हें जाल में डाल दिया. वह जितनी तेज़ी से काम कर सकता था, करता रहा. जब उसे थोड़ी और सांस की ज़रूरत पड़ती तो वह नाव पर तैरकर वापस जाता. निकासियो बार-बार पत्थर को पकड़कर समुद्र में कूदता.

सूर्यास्त से पहले उसका जाल स्पंज से भर गया. निकासियो और मारिया बहुत खुश थे.

और जब माँ ने सभी स्पंज देखे, तो वह भी बहुत खुश हुई. उसने स्पंज को पानी में तब तक रखा जब तक कि वे साफ नहीं हो गए. फिर उसने उन्हें एक या दो दिन धूप में सुखाया.

जब स्पंज तैयार हो गए, तो वह
उन्हें बेचने के लिए शहर ले गई.

वह चावल का एक बड़ा
बोरा वापस लेकर आई.

तीन दिनों तक, मारिया और निकासियो ने स्पंज पकड़े. चौथे दिन पिताजी ठीक हो गए. वह उठे और निकासियो को देखकर मुस्कुराए. "तुम्हारी माँ ने मुझे वो सब कुछ बताया कि तुमने किया. तुम्हारा और मारिया का बहुत शुक्रिया, अब हमारे पास काफी चावल जमा हो गया है."

माँ भी मुस्कुराई, "अब हमारे परिवार में दो स्पंज मछुआरे हैं, निकासियो और उसके पिता."